POLITICAL SCIENCE Dep.
BA. II CH) Paper IV

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. LKVD. College, Tajpur
Samastipur

व्यवस्थापिका का संगठन —

संगठन की दृष्टि से व्यवस्थापिका को दो भागों में बांटा जा सकता है :—

(1) एक-सदनात्मक व्यवस्थापिका —

किसी राज्य की व्यवस्थापिका में एक ही सदन होता है तो उसे एक-सदनात्मक व्यवस्थापिका कहते हैं। जैसे यूनान, बुल्गारिया आदि देशों में एक सदनीय विधानमंडल है। एकसदनात्मक प्रणाली अठारहवीं एवं उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में देखने को मिलती है। लोकतंत्रात्मक शासन के विकास के साथ-साथ इसमें कमी आई है।

(2) द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका —

किसी राज्य की व्यवस्थापिका में दो सदन होते हैं तो उस व्यवस्थापिका को द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका कहते हैं। ऐतिहासिक एवं लोकतंत्रात्मक विकास के साथ-साथ द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका का प्रचलन बढ़ा है। इंग्लैंड, भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि विश्व के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका ही पाई जाती है। इसमें व्यवस्थापिका के दो सदन होते हैं, पहला उच्च या द्वितीय सदन तथा निम्न या प्रथम सदन कहलाता है।

Scanned with CamScanner